ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-२५
दिनांक- वृहस्पतिवार, ०१ अप्रैल, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.1 एवं 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 51 प्रतिशत, हवा की औसत गति 12.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.2 एवं दोपहर में 33.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02–06 अप्रैल 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02–06 अप्रैल, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने कि संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान में 1–2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है, जिसके कारण यह 34–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 19–21 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 50 से 60 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- अगले 2–3 दिनों तक खगड़िया, बेगुसराय, समस्तीपुर, वैशाली एवं दरभंगा जिलों में 10–12 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा चलने का अनुमान है। पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारंण, सीतामढ़ी एवं मधुबनी जिलों मे अधिकतर दिनों में पूरवा हवा चल सकती है। मुजफ्फरपुर में 2 एवं 4 अप्रैल को पछिया हवा चल सकती है एवं बाकी दिनों में पूर्वा हवा चलने का अनुमान है।
- **सब–सीजनल पूर्वानुमानः** 1–15 अप्रैल के बीच अधिकतम तापमान सामान्य (34.5–36.5 डिग्री सेल्सियस) से 1–2 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। इस अवधि में न्यूनतम तापमान सामान्य (18.0–20.8 डिग्री सेल्सियस) के आस–पास या सामान्य से कम रहने की संभावना है। इस अवधि में तराई के क्षेत्रों में कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में मौसम की शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए गेहूँ की कटनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर संपन करे।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर 10 अप्रैल से पहले संपन्न करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30 ग10 से0मी0 रखें।
- ओल की फसल की बुआई करें। बुआई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75X75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेषियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की बुआई अविलंब संपन्न करें। बिगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1 मि0 ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरवॉस ७६ इ०सी०/ १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोलकर छिड़काव करे। गाय के गोबर की राख में थोड़ा किरासन मिलाकर पौधों पर सुबह में भुरकाव करने से इस कीट का आक्रमण कम हो जाता है।
- प्याज फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। थ्रिप्स प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 18.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी